शिव पुराण आरती

शिव पुराण शिवजी की आरती कीजिए।
शिव चरणों में ध्यान अपना दीजिए॥

ये महाग्रन्थ है शिव पुराण, सन्मार्ग दिखाने वाला,
सब बिगड़ी बनाने वाला - 2
सुनते सुजान, करते है ध्यान, शिव अमृत रस को पीजिए॥

झांकी अनूप, कल्याण रूप, सबके मन को ये भाये,
मन मंदिर में बस जाए -2
शिव ध्यान लगा, मन को भी जगा, तन मन धन अर्पण कीजिए॥

चौबीस हजार श्लोकों का सार, ये पावन ग्रन्थ कहाये,
शिव की महिमा बतलाऐ -2
हो जा पुनीत विषयों को जीत, मन कामना फल सब लिजिए॥

ये विश्वनाथ, करते संघात,सब दुख मिटाने वाला,
भव पार लगाने वाला -2
जप नमः शिवाय -2, जीवन सफल सब कीजिए॥

https://bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/32815/title/shiv-puran-aarti

अपने Android मोबाइल पर BhajanGanga App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |